

- 87 रीढकः पृष्ठवंशः स्या- ॥ ६०१ ॥  
 88 त्वृष्टं तु चरमं तनोः ॥ ६०१ ॥  
 89 पूर्वभाग उपस्थो ऽङ्कः क्रोड उत्सङ्ग इत्यपि ।  
 90 क्रोडोरो हृदयस्थानं वक्षो वत्सो भुजात्तरम् ॥ ६०२ ॥  
 91 स्तनात्तरं हृदयं  
 92 स्तनौ कुचौ पयोधरौ  
 93 उरोजौ च  
 94 चूचुकं तु स्तनादृत्तशिखामुखाः ॥ ६०३ ॥  
 95 तुन्दं तुन्दिर्गर्भकुक्षी पिचण्डो त्रठरोदरे ।  
 96 कालखण्डं कालखञ्जं कालेयं कालकं यकृत् ॥ ६०४ ॥  
 97 दक्षिणे  
 98 तिलकं त्लोम  
 99 वामे तु रक्तफेनत्रः ।  
 1 पुष्पसः स्या-  
 2 दथ प्रीहा गुल्मो  
 3 ऽन्नं तु पुरीतति ॥ ६०५ ॥  
 4 रोमावली रोमलता  
 5 नाभिः स्यात्तुन्दकूपिका ।

87. Rückgrath (2 W.). — 88. Rücken. — 89. Vordertheil des Oberkörpers (4 W.). — 90. Brust, der Raum zwischen den beiden Schultern (6 W.). — 91. Der Raum zwischen den Brüsten (3 W.). — 92. 93. Die beiden Brüste (4 W.). — 94. Brustwarze (4 W.). — 95. Bauch (7 W.). — 96. 97. Leber (5 W.). — 98. Blase (2 W.). — 99. 1. Lunge (2 W.). — 2. Milz (2 W.). — 3. Eingeweide (2 W.). — 4. Haarreihe unter dem Nabel (2 W.). — 5. Nabel (2 W.).